जिलद—बाबत महकमा सब-रजिस्ट्रार

कीमत अशटाम्प नोट:—यह खाना इस किसम के नोटों के लिये भी इस्तेमाल हो सकते हैं जो मामुली किताब नं० 4 के खाना कैफियत में लिखे जाते हैं	नम्बर शुमार अन्दराज मुआमले केमालीयत और नोईयत और कीमत रजिस्ट्री व दीगर रसूम और तावान वसूल शुदा
	R. No. 128
शून्य दस्तावेज मालीयती ... किताब ... 2 ... जिल्द ... 2275 R.F. 50.00 C.F. 2.00 Total — 52.00	

Sub Registrar Sadar
Distt. Bilaspur (H.P.)

New Art Press JUC. 2074 Reg.

Government Judicial Paper

वसीयत नामा

मैं दया राम पुत्र सरनु पुत्र मन्चलू ... साल जात ब्राह्मण साकन साई ... सदर जि० बिलासपुर हि० प्र० ... निवासी हूँ। मेरे नाम व कब्जा ... साई फरड्या में 1.1 बीघा जमीन ... जात दर्ज है। जिसका खसरा नं० ... तथा खाता नं 56 तथा खतौनी ... मैं उपरोक्त रकबा का खुद ... काबिज हूँ। मैं बूढ़ा हो चुका ... अकसर बीमार रहता हूँ। जिन्दगी ... भरोसा नहीं और मरने के बाद ... जायदाद झगड़ों में खत्म हो जाती ... लिए मैं अपनी जायदाद का बंटवारा ... पनी होश-हवाश तथा बिना किसी ... दबाव के निम्न आदमियों के नाम ... के रूप में कर देता हूँ। जो इस ...

मैं अपनी जायदाद में से 0.16 बीघा ... जिस का खसरा नं० 183 को श्री ... पाल तथा राजपाल पुत्रान श्री हरी चन्द ... पाल तथा राजपाल ... कौसरिया कनता ... श्री बाबू राम साकन कौसरिया ... के नाम और 0.5 बीघा खसरा ... पुर के नाम और श्री धनी राम ... श्री राम नाथ पुत्र श्री धनी राम ... श्री सरनु साकन साई फरड्या के ... (जो कि मेरा भाई का लड़का है) को ... देता हूँ। मैं अकसर बीमार रहता है ... और ये तीनों सुरेन्द्र पाल, राजपाल तथा

NB 721018 1989 **Himachal Government Judicial Paper**

वसीयत नामा

मैं दया राम पुत्र सरनु पुत्र मन्चलू उमर 80 साल जात ब्राह्मण साकन साई फरड्या त० सदर जि० बिलासपुर हि० प्र० का स्थाई निवासी हूँ। मेरे नाम व कब्जा में साकन साई फरड्या में 1.1 बीघा जमीन जो माल कागजात दर्ज है। जिसका खसरा नं० 183, 184 तथा खाता नं 56 तथा खतौनी नं 74 है। मैं उपरोक्त रकबा का खुद मालिक व काबिज हूँ। मैं बूढ़ा हो चुका हूँ और अकसर बीमार रहता हूँ। जिन्दगी का कोई भरोसा नहीं और मरने के बाद अकसर जयदाद झगड़े में खतम हो जाती है। इसलिए मैं अपनी जयदाद का बंटवारा खुद अपनी होश-हवाश तथा बिना किसी डर या दबाव के निम्न आदमियों के नाम वसीयत के रूप में कर देता हूँ। जो इस प्रकार है।

मैं अपनी जयदाद में से 0.16 बीघा रकबा जिसका खसरा नं० 183 को श्री सुरेन्द्र पाल तथा राजपाल पुत्रान श्री हरी चन्द पुत्र श्री बाबू राम सा० कोसरिया कनैला जि० बिलासपुर के नाम और 0.5 बीघा खसरा नं० 184 श्री राम नाथ पुत्र श्री धनी राम पुत्र श्री सरनु साकन साई फरड्या के नाम (जो कि मेरा भाई का लड़का है) कर देता हूँ। मैं अकसर बीमार रहता हूँ और ये तीनों सुरेन्द्र पाल, राजपाल तथा

Sub Registrar Sadar
Distt. Bilaspur (H.P.)

BR81

राम नाथ ही मेरी सेवा व देख भाल करते है।
इसलिए मैं अपनी मर्जी से वसीयत कर
देता हूँ। व लिख देता हूँ। कि मेरे
मरने के बाद सुरेन्द्र पाल राजपाल तथा
राम नाथ ही मेरी इस वसीयत के अनुसार
मालिक होंगे और इसके सिवा मेरे
और किसी को मेरी जयदाद पर कोई
हक न होगा।

ये वसीयत मैंने रोबरू गवाहान
लिख दिया ताकि सनद रहे और
वक्त पे काम आये।

दिनांक 27.8.89

Sub Registrar Sadar
Distt. Bilaspur (H.P.)
28/6/90

गवाहान

1. सुख राम S/o नन्द लाल
प्रधान ग्राम पंचायत
ओयल बिलासपुर
हि० प्र०.

प्रधान
ग्राम पंचायत ओयल
जिला बिलासपुर

Kaushal

2. ओम प्रकाश S/o
श्री सीता राम जैन
मारकिट बिलासपुर
हि० प्र०.

वसीयत कर्ता
दयाराम
दया राम पुत्र सरनु

उपरोक्त वसीयत नामा में लगभग
38 पंक्तियां तथा लगभग 273 शब्द है।

लेखक : Shama
बी० डी० शर्मा
अधिवक्ता
बिलासपुर

№ 0293094 1987 Himachal Government Judicial Paper

29.6.90

बस्ताम वाकीयाती 4-5 पृष्ठ
किताब 2 बवद
... 273

Sub Registrar Sadar
Distt. Bilaspur (H.P.)

वसीयत नामा मुताल्लिक जो दया राम पुत्र सरदू साकन
साही. परगना ... जाये बारस्ता श्री सुरेन्द्र पाल S/O हीरा नन्द
साकन बोहरोलं तहसील घुमारवीं व तह सदर जिला बिलासपुर
हिमाचल प्रदेश ने बाद फैसला वसीयत नामा जिसपर मु.
3/10 आज दिनांक 29/6/90 तदानुसार 8 आषाढ़ शाका
1912 बरोज शुक्रवार समय 4.30 बजे दिन कार्यालय
सब रजिस्ट्रार सदर में बराये रजिस्ट्रेशन पेश
किया।

पेश कर्ता
सुरेन्द्र पाल

29/6/90

29.6.90

वसीका वसीयत नामा हुआ मुताल्लिक दया राम ने जाये बारस्ता सुरेन्द्र पाल को
हर्फन व हरफ पढ़कर सुनाया व समझाया गया। जिसने
इस वसीका की ... तहरीर व तकमील को सुन व
समझकर सही तसलीम किया। इसकी शनाख्त
श्री कृष्ण लाल उमेदवार तह. कार्यालय सदर करते हैं। जिससे मैं स्वयं
परिचित हूं। लिहाजा वसीका हुआ तस्दीक किया
जाता है दर्ज रजिस्टर होवे।

पेश कर्ता
सुरेन्द्र पाल

शनाख्त कर्ता
कृष्ण लाल
उमेदवार
तह. सदर

Sub Registrar Sadar
Distt. Bilaspur (H.P.)

[illegible] 128 [illegible] 3
[illegible] 91 [illegible] page/pages 52 [illegible] 29
59 [illegible] 90

Sub Registrar Sadar
Distt. Bilaspur (M.P.)
29/5/90